चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: INDIA TIMER **Date: 22-11-2022**

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में बोले वाइस चांसलर

मोदी और बाबा रामदेव ने योग को दिलाई अंतर्राष्ट्रीय पहचान

जींद,(इंडिया टाइमर):विश्वविद्यालय जींद में सूर्या फाउंडेशन वह इंटरनेशनल नेचुरोपैथी संगठन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं योग विज्ञान विभाग सीआरएसयू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पंचम प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष में नेचरोपैथी एक समग्र आयु विज्ञान आरोग्य एवं परामर्श शिविर 21 से 25 नवंबर तक लगाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि के रूप में अखिल भारतीय घीसा संत महामंडल के अध्यक्ष स्वामी राघवानंद, विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव, डॉ. मदन मानव प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, डॉ. प्रदीप माथुर संजीवनी काया शोधन संस्थान गोहाना से पहुंचे। मंच का संचालन डॉ. जयपाल सिंह द्वारा किया गया। योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप नारा ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि और मुख्य अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर प्रोफेसर एसके सिन्हा, डीएसडब्ल्यू डॉ. जसबीर सुरा, डॉ. वीरेंद्र आचार्य, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉ. सुमन पूनिया आदि मौजूद रहे। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि आज योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में पीएम मोदी और बाबा रामदेव का बहुत बड़ा योगदान है। प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है जो मनुष्य और प्रकृति दोनों से जुड़ी हुई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी राघवानंद महाराज ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि काया स्वस्थ होगी तभी हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है। पुण्य करने से हमें मानव देह मिली है। मानव जीवन बड़ा मूल्यवान है। प्राणवायु से अपान वायु का मिलन ही योग है। इसे मानव जीवन को और अधिक महत्वपूर्ण बनाने हेतु योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना चाहिए।

काया स्वस्थ तो समाज स्वस्थ : स्वामी राघवानंद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date: 22-11-2022**

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग को घर-घर पहुंचाने की जरूरत : स्वामी राघवानंद

संवाद न्यूज एजेंसी

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में नेचरोपैथी पर लगा शिविर

जींद। अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी संगठन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं योग विज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में नेचरोपैथी एक समग्र आयु विज्ञान आरोग्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि अखिल भारतीय घीसा संत महामंडल के अध्यक्ष स्वामी राघवानंद ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग को घर-घर पहुंचाने की जरूरत है। इस मौके पर बाबा मस्तनाथ विवि के कुलपति प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

स्वामी राघवानंद ने कहा कि काया स्वस्थ होगी तभी हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है। पुण्य करने से हमें मानव देह मिली है। मानव जीवन बड़ा मूल्यवान है। प्राणवायु से अपान वायु का मिलन ही योग है। इसे मानव जीवन को और अधिक महत्वपूर्ण बनाने के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना चाहिए। कुलपति राजबीर सिंह यादव ने कहा कि योग विद्या को सभी भाषाओं में अनुवादित होना चाहिए, जिससे सबको इसका फायदा मिल सके। स्वास्थ्य ही इंसान का असली धन है। अगर इंसान का स्वास्थ्य ठीक है तो वह कुछ भी कर सकता है।

सीआरएसयू के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि योग एक सशक्त विभाग है। योग एक प्राचीन विधा है, इसका वर्णन वेदों में भी किया गया है। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में बाबा रामदेव और प्रेधानमंत्री मोदी का बहुत बड़ा योगदान है। प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है, जो मनुष्य और प्रकृति दोनों से जुड़ी हुई है। मनुष्य का और प्रकृति का बहुत गहरा संबंध है। इस मौके पर संजीवनी काया शोधन संस्थान गोहान के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप माथुर, प्राकृतिक मानव प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के प्रभारी डॉ. मदन मानव, डॉ. जयपाल सिंह, योग विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. कुलदीप नारा, डीन एकेडमिक अफेयर प्रोफेसर एसके सिन्हा, डॉ. मीनाक्षी हुड्डा और रिसोर्स पर्सन के रूप में सूर्य देव ने शिरकत की।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-11-202**

प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है जो मनुष्य और प्रकृति दोनों से परस्पर जुड़ी हुई : डॉ. रणपाल

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय में सूर्या फाउंडेशन व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं योग विज्ञान विभाग सीआरएसयू की ओर से पंचम प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में नेचरोपैथी एक समग्र आयु विज्ञान आरोग्य एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी राघवानंद अध्यक्ष अखिल भारतीय घीसा संत महामंडल, विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव, डॉक्टर मदन मानव प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, डॉक्टर प्रदीप माथुर संजीवनी काया शोधन संस्थान गोहाना से पहुंचे। मंच का संचालन डॉ. जयपाल सिंह द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बताया कि योग प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है जो मनुष्य और प्रकृति दोनों से जुड़ी हुई है। मनुष्य का और प्रकृति का बहुत गहरा संबंध है। इसका वर्णन डॉक्टर मदन मानव फाउंडर डायरेक्टर ग्लोबल इंस्टिट्यूट ब्लाइसफुल लाइफ इंस्ट्रक्शन ने बताया कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य सुख एवं आनंद में रहते हुए दूसरों को सुख एवं आनंद लेते हुए मोक्ष प्राप्त करना ही जीवन का उद्देश्य है। जीवन में प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं। उन्होंने बताया कि मनुष्य को अपना आहार क्यों क्या कब कैसे कितना और किस जगह लेना चाहिए। इन सब के बारे में उसका ज्ञान होना जरूरी है।

प्राकृतिक चिकित्सा मनुष्य को जीवन जीने का मूल यंत्र भी सिखाता है, जिससे मनुष्य का जीवन सुखमय और आनंद पूर्वक व्यतीत होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप माथुर ने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा को जीवन में अपनाना चाहिए जीवन में कोई भी रोग हो जो असाध्य हो उसको प्राकृतिक चिकित्सा से ठीक कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव कुलपति बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय रोहतक ने अपने उद्बोधन में बताया कि योग विद्या को सभी भाषाओं में अनुवादित होना चाहिए, जिससे सब को इसका फायदा मिल सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी राघवानंद जी महाराज ने कहा कि काया स्वस्थ होगी तभी हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

जींद. सीआरएसयू में कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: PUNJAB KESRI **Date: 22-11-2022**

सी.आर.एस.यू. में पंचम प्राकृतिक चिकित्सा शिविर शुरू

जींद, 21 नवम्बर (स.ह.) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में सूर्या फाऊंडेशन और इंटरनैशनल नैचुरोपैथी संगठन नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ नैचुरोपैथी आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं योग विज्ञान विभाग सी.आर.एस.यू. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पंचम प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में नैचरोपैथी एक समग्र आयु विज्ञान आरोग्य एवं परामर्श शिविर सोमवार से शुरू हुआ। शिविर 25 नवम्बर तक चलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय घीसा संत महामंडल के अध्यक्ष स्वामी राघवानंद, विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजवीर सिंह यादव, डॉक्टर मदन मानव, डॉ. प्रदीप माथुर ने शिरकत की। मंच का संचालन डॉ. जयपाल सिंह ने किया। योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप नारा ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया।

डीन एकेडमिक अफेयर प्रोफेसर एस.के. सिन्हा ने विश्वविद्यालय के बारे में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को विस्तार से बताया और विश्वविद्यालय अचीवमेंट और गतिविधियों के बारे में विवरण दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर मदन मानव फाऊंडर डायरेक्टर ग्लोबल इंस्टीच्यूट ब्लाइसफुल लाइफ इंस्ट्रक्शन और डॉ. मीनाक्षी हुड्डा और रिसोर्स पर्सन के रूप में सूर्य देव पहुंचे।

विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रण पाल सिंह ने बताया कि योग भाग एक सशक्त विभाग है। आज योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में बाबा रामदेव और पी.एम. मोदी जी का बहुत बड़ा योगदान है। प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है जो मनुष्य और प्रकृति दोनों से जुड़ी हुई है मनुष्य का और प्रकृति का बहुत गहरा संबंध है।

शिविर को संबोधित करते स्वामी राघवानंद। (ऋषि)

डॉक्टर मदन मानव ने बताया कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य सुख एवं आनंद में रहते हुए दूसरों को सुख एवं आनंद लेते हुए मोक्ष प्राप्त करना ही जीवन का उद्देश्य है, जीवन में प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप माथुर ने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा को जीवन में अपनाना चाहिए जीवन में कोई भी रोग हो जो असाध्य हो उसको प्राकृतिक चिकित्सा से ठीक कर सकते हैं उन्होंने कुछ घर में प्रयोग में आने वाले देसी नुस्खे से बीमारियों का किस तरीके से इलाज किया जा सकता है उसके बारे में भी विस्तार से समझाया और किस तरीके के हम नुस्खे घर में प्रयोग में ला सकते हैं और कैसे उनका प्रयोग घर में कर सकते हैं किस बीमारी में कौन से नुस्खे सहायक है उसके बारे में बताया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव कुलपति बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक ने अपने उद्बोधन में बताया कि योग विद्या को सभी भाषाओं में अनुवादित होना चाहिए जिससे सब को इसका फायदा मिल सके उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य ही इंसान का असली धन है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी राघवानंद महाराज ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि काया स्वस्थ होगी तभी हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है पुण्य करने से हमें मानव देह मिली है।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि और मुख्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने इस कार्यशाला को आयोजित करने के लिए योग विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों का और विभागाध्यक्ष का धन्यवाद किया और कहा कि इस तरह के आयोजन करना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है इसके लिए योग विभाग के सभी प्राध्यापक बधाई के पात्र हैं।

स्वयं योग अध्यापक नेचर केयर हिसार से योग शिक्षक डॉ. रविंद्र मलिक, डॉ. अजय आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने एक डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को शिरोधारा मालिश चिकित्सा मिट्टी चिकित्सा जल चिकित्सा आदि के बारे में विस्तार से समझाया। इस मौके पर डॉ. जसबीर सूरा, डॉ. वीरेंद्र आचार्य, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉ. सुमन पूनिया आदि मौजूद रहे।